अयोध्या मण्डल (उ0प्र0) में महिला साक्षरता का परिवर्तनशील प्रतिरूप

–डॉ. राजकुमार यादव
प्रवक्ता–(भूगोल)
बाबा हरिपुरी इण्टर कालेज कसावा, कन्नौज (उ0प्र0)

सारांश

अध्ययन क्षेत्र अयोध्या मण्डल में महिला साक्षरता विगत पचास वर्षों से राज्य तथा राष्ट्र की तुलना में कम है। जनपद स्तर पर इसमे बड़ी असमानता देखने को मिलती है। मण्डल में महिला साक्षरता की वृद्धि दर भी कम है। महिला साक्षरता दर की कमी तथा असमानता के कारण यहाँ विकास की गति भी धीमी है। यदि मण्डल का सम्यक् विकास करना है तो महिलाओं की शिक्षा में सुधार लाना होगा।

संकेत शब्द– जनसंख्या, महिला साक्षरता, परिवर्तन, गुणात्मक, क्षेत्रीय विषमता, धार्मिक कट्टरता।

किसी भी क्षेत्र की आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति साक्षरता पर निर्भर करती है। यह समाज के सामाजिक, आर्थिक विकास की गति की सूचक है। भारतीय जनगणना विभाग ने साक्षरता को गुण के रूप में स्वीकार किया है। जनसंख्या भूगोलवेत्ता साक्षरता को जनसंख्या का गुणात्मक लक्षण मानते हैं, जो सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति का विश्वसनीय सूचक है। साक्षरता, गरीबी उन्मूलन, मानसिक एकाकीपन का समाप्तिकरण शान्तिपूर्ण तथा भाई–बन्धु वाले अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के निर्माण जनसांख्यिकीय प्रक्रिया की स्वतंत्र क्रियाशीलता में अधिक महत्व है। भारतीय समाज में महिला साक्षरता को सदैव ही महत्वहीन समझा जाता रहा है। महिला शिक्षा के प्रति भारतीय समाज सदैव उदासीन रहा है। कार्यकारी उपादेयता की कमी के कारण महिला साक्षरता का प्रतिशत पुरुष साक्षरता की तुलना में काफी कम है। साथ ही साथ स्त्रियों की निम्न सामाजिक स्तर एवं उनकी शिक्षा के प्रति उपेक्षात्मक व्यवहार के कारण अध्ययन क्षेत्र में अक्सर बाल विवाह प्रथा, स्त्रियों के संरक्षण के प्रति प्रतिकूल भाव, धार्मिक कट्टरता एवं ग्रामीण परिवेश कुछ ऐसे महत्वपूर्ण कारक है, जो निम्न महिला साक्षरता के लिए उत्तरदायी है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य अध्ययन क्षेत्र की महिला साक्षरता की दशा का विश्लेषण करना है तथा जनपद स्तर पर दस वर्षों की समयावधि में हुए परिवर्तन का विश्लेषण करना है।

अध्ययन क्षेत्र–

फैजाबाद मण्डल पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण परिक्षेत्र है। मण्डल की सीमाओं पर पूर्व में आजमगढ़, जौनपुर, उत्तर में बहराइच, गोण्डा, बस्ती, संतकबीरनगर और गोरखपुर जनपद स्थित है। पश्चिम में सीतापुर, लखनऊ, रायबरेली तथा दक्षिण में प्रतागढ़ जनपद अवस्थित है। मण्डल की उत्तरी सीमा का निर्धारण घाघरा (सरयू) नदी द्वारा निर्धारित होता है। यह गंगा एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित समतल मैदान है, जो उत्तर के विशाल मैदान का एक भाग है। मण्डल का अक्षांशीय विस्तार $25^0 5'$ उत्तरी से $28^0 4'$ उत्तरी अक्षांश तक तथा देशान्तरीय विस्तार $80^0 25'$ पूर्वी से $83^0 1'$ पूर्वी अक्षांश के मध्य स्थित है। अध्ययन क्षेत्र में वर्तमान

समय में कुल 62 विकास खण्ड है। मण्डल का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 13768 वर्ग किमी0 है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मण्डल की कुल जनसंख्या 11198305 है। मण्डल की कुल साक्षरता 67.34 प्रतिशत है, जिसमें पुरुष साक्षरता 77 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 57. 16 प्रतिशत है।

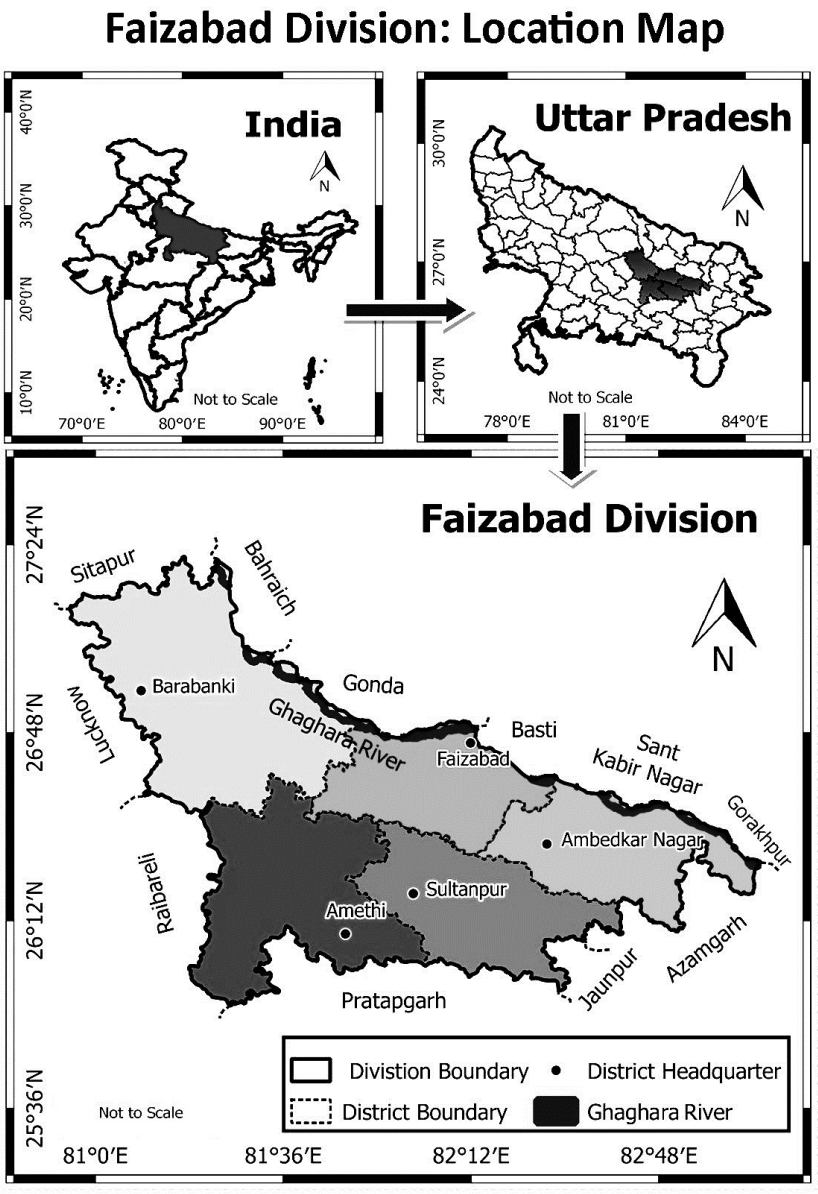

शोध प्रविधि–

प्रस्तुत अध्ययन मूलतः द्वितीयक आँकड़ो पर आधारित है। साक्षरता के कालिक विश्लेषण के लिए वर्ष 1971 से 2011 तक के आँकड़ो का संकलन किया गया है। आँकड़ो का एकत्रीकरण का स्रोत अयोध्या मण्डल द्वारा प्रकाशित मण्डलीय सांख्यिकीय पत्रिका है। अध्ययन के उद्देश्य की पूर्ति के लिए आँकड़ो का संकलन जनपद स्तर पर किया गया है। तद्नुसार 10 वर्षों की अवधि में साक्षरता में हुए परिवर्तन का विश्लेषण करते हुए राज्य एवं राष्ट्र से तुलना करते हुए अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।

साक्षरता का कालिक विश्लेषण–

अयोध्या मण्डल उत्तर प्रदेश तथा भारत में महिला साक्षरता के भू–वैन्यासिक एवं कालिक विश्लेषण को सारिणी–1 में दर्शाया गया है। सारिणी से स्पष्ट है कि वर्ष 1971 में अयोध्या मण्डल में महिला साक्षरता 9.85 प्रतिशत थी, जो उत्तर प्रदेश के 11.23 प्रतिशत तथा भारत के 21.97 प्रतिशत से कम थी। दस वर्षों के पश्चात् 1981 में मण्डल की महिला साक्षरता 13 प्रतिशत पाई गई, जबकि इस अवधि में राज्य की महिला साक्षरता 16.74 प्रतिशत तथा राष्ट्र की 29.76 प्रतिशत थी। वर्ष 1991 में मण्डल में महिला साक्षरता 20.52 प्रतिशत थी, जो प्रदेश के 24.37 प्रतिशत तथा राष्ट्र के 39.29 के प्रतिशत की अपेक्षा बहुत कम थी।

अयोध्या मण्डल में वर्ष 2001 में 42.08 प्रतिशत महिला साक्षरता पाई गई। इस अवधि में उत्तर प्रदेश में 42.20 प्रतिशत तथा भारत में 53.67 प्रतिशत महिला साक्षरता पाई गई। दस वर्षों के पश्चात् अध्ययन क्षेत्र की महिला साक्षरता का प्रतिशत बढ़कर 57.16 प्रतिशत हो गई, जो राज्य की 57.20 प्रतिशत तथा राष्ट्र की 64.60 प्रतिशत की अपेक्षा कम है। अध्ययन से स्पष्ट है कि अयोध्या मण्डल विगत् 50 वर्षों से महिला साक्षरता के संदर्भ में राज्य तथा राष्ट्र की तुलना

वर्ष	अयोध्या मण्डल	उत्तर प्रदेश	भारत
1971	9.85	11.23	21.97
1981	13.00	16.74	29.76
1991	20.52	24.37	39.29
2001	42.08	42.20	53.67
2011	57.16	57.20	64.60

में पिछड़ा हुआ है।

सारिणी–1. अयोध्या मण्डल, उत्तर प्रदेश एवं भारत में महिला साक्षरता (प्रतिशत में)

स्रोतः–मण्डलीय सांख्यिकीय पत्रिका एवं सांख्यिकीय डायरी–1991, 2011

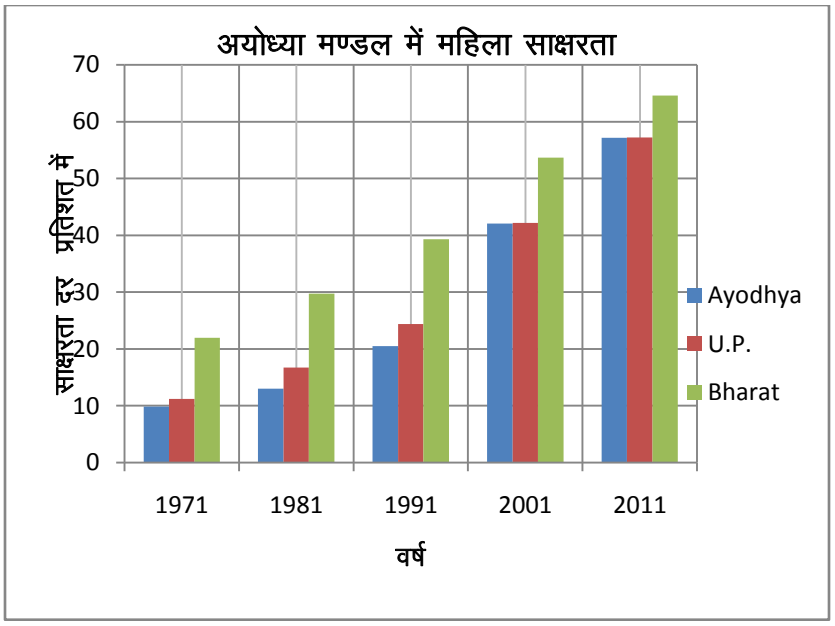

महिला साक्षरता का परिवर्तनशील प्रतिरूप–

अयोध्या मण्डल एवं इसके अन्तर्गत सम्मिलित जनपदों अयोध्या, सुलतानपुर, बाराबंकी तथा अम्बेडकरनगर में महिला साक्षरता के प्रतिशत को वर्ष 2001 एवं 2011 के संदर्भ में सारिणी–2 में दर्शाया गया है। सारिणी से स्पष्ट है कि जनपद अयोध्या में वर्ष 2001 में महिला साक्षरता 45.38 प्रतिशत पाई गई, जो 2011 में बढ़कर 59.03 प्रतिशत हो गई।

अध्ययन क्षेत्र के सुलतानपुर जनपद में वर्ष 2001 में महिला साक्षरता 41.49 प्रतिशत थी, जो बढ़कर 2011 में 58.88 प्रतिशत हो गई। इसी प्रकार बाराबंकी जनपद में महिला साक्षरता 36.14 प्रतिशत से बढ़कर 52.34 प्रतिशत हो गई। जनपद अम्बेडकरनगर में महिला साक्षरता दर वर्ष 2001 में 45.30 प्रतिशत थी, जो एक दशक बाद (2011) में 62.63 प्रतिशत हो गई। इसी प्रकार अध्ययन क्षेत्र की महिला साक्षरता 42.08 प्रतिशत से बढ़कर 57.17 प्रतिशत हो गई।

परिवर्तन के आँकड़ों से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र के अयोध्या जनपद में एक दशक बाद महिला साक्षरता में 13.65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सुलतानपुर में 17.39 प्रतिशत, बाराबंकी में 16.20 प्रतिशत, अम्बेडकरनगर में 17.33 प्रतिशत तथा मण्डल में 15.08 प्रतिशत धनात्मक परिवर्तन हुआ है। अध्ययन से स्पष्ट है कि दस वर्षों की समयावधि में सुलतानपुर और अम्बेडकरनगर में सर्वाधिक धनात्मक परिवर्तन हुआ है, जबकि सबसे कम वृद्धि अयोध्या जनपद में पाई गई है। आँकड़ो से स्पष्ट है कि महिला साक्षरता की दृष्टि से अम्बेडकरनगर मण्डल का अग्रणी जनपद है, जबकि बाराबंकी इस दृष्टि से सबसे पिछड़ा हुआ है।

सारिणी–2. अयोध्या मण्डल में महिला साक्षरता का परिवर्तनशील प्रतिरूप (प्रतिशत में)

जनपद	वर्ष		परिवर्तन
	2001	2011	
अयोध्या	45.38	59.03	13.65
सुलतानपुर	41.49	58.88	17.39
बाराबंकी	36.14	52.34	16.20
अम्बेडकरनगर	45.30	62.63	17.33
मण्डल	42.08	57.16	15.08

स्रोतः–मण्डलीय सांख्यिकीय पत्रिका एवं सांख्यिकीय डायरी–2001, 2011

अध्ययन से स्पष्ट है कि अयोध्या मण्डल में महिलाओं के शिक्षा के प्रति लोगों में रुचि बढ़ी है। जहाँ अतीत में बालिकाओं को गृह कार्यों तक सीमित रखा जाता था, वहीं वर्तमान में शिक्षा हेतु विद्यालयों में भेजने की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है। अतः यदि शिक्षा में पर्याप्त सुधार एवं विद्यालयों की समुचित व्यवस्था की जाती है तो भविष्य में निश्चित ही अयोध्या मण्डल में साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ है कि वर्ष 2001 में महिला साक्षरता का स्तर निम्न था, लेकिन बदलते हुए राजनैतिक और आर्थिक माहौल ने सामाजिक विकास को इस प्रकार प्रभावित किया कि महिलाओं की आर्थिक सहभागिता में वृद्धि हुई। सामाजिक, आर्थिक चेतना में लड़कियों की शिक्षा को एक वैवाहिक आवश्यकता न मानकर इसे रोजगारोन्मुख स्वरूप प्रदान किया।

निष्कर्ष एवं सुझाव–

फैजाबाद मण्डल में महिला साक्षरता की स्थिति दयनीय है। दोनों दशकों में मण्डल की साक्षरता उत्तर प्रदेश एवं देश के औसत से कम रही है। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ है कि दस वर्षों की समयावधि में महिला साक्षरता में तीव्र सुधार हुआ है, फिर भी राष्ट्र की तुलना में कम है। अतः संतुलित शैक्षिक विकास के लिए अन्तराक्षेत्रीय स्तर पर प्रयास की आवश्यकता है, क्योंकि जहाँ अम्बेडकरनगर में 62.63 प्रतिशत महिला साक्षरता पाई गई, वहीं बाराबंकी में यह 52.34 प्रतिशत है। अध्ययन क्षेत्र में शैक्षिक स्तर को बढ़ाने के लिए साक्षरता कार्यक्रमों में सुधारकर, शिक्षा के प्रति रुचि जागृतिकर सभी क्षेत्रों में, सभी आयु वर्ग के लिए अनिवार्य शिक्षा सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। साथ ही अवस्थापनात्मक सुविधाओं का व्यापक पैमाने पर विस्तार करने की आवश्यकता है, तभी पूर्व साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

References :

1- Chandan, R.C and Siddhu, M.S. (1980): Introduction to population Geography, Kalyani Publishers, New Delhi.
2- Gosal, G.S. (1964): Literacy of India: An Interpretative Study Rural Socilogy Vol.-29, P-276.
3- Pandey, O.P., (2005): Jalalpur Vikas Khand (Ambedkarnagar) Mein Jansankhya Evam Parivar Kalyan : Ek Bhaugolik Addhyayan, An Unpublished Ph.D. Thesis Dr.R.M.L. Avadh University, Faizabad, P-126.
4- Shukla, D.K. (2015) : Raebareli Janpad (U.P.) Ki Saksharta Mein Parivartan Ki Dasha Avam Dishaa Journal of Integrated Dev. And Res. Vol. 5 P-81.